अभिरुचि (Aptitude)

क्या है?

अभिरुचि किसी क्षेत्र विशेष से संबंधित कौशल को सीखने की अथवा ज्ञानार्जन की जन्मजात या अर्जित क्षमता है।

आमतौर पर अभिरुचियाँ जन्मजात होती हैं लेकिन वे अर्जित भी हो सकती हैं।

सिविल सेवा के लिये अभिरुचि (Aptitude for Civil Services)

एक अच्छे सिविल सेवक में निम्नलिखित अभिरुचियाँ होनी चाहिये:

(i) भाषा पर सूक्ष्म पकड़ ताकि निर्णयन प्रक्रिया के समय नोटिंग और ड्राफ्टिंग में कोई समस्या ने हो।

(ii) उच्च तार्किक क्षमता।

(iii) निर्णयन व समस्या समाधान की सटीक क्षमता।

(iv) गणित तथा आँकड़ों को समझने की क्षमता।

(v) संचार तथा संप्रेषण का कौशल, जिसके माध्यम से समाज को उचित नेतृत्व प्रदान किया जा सके।

(vi) अपने आस-पास तथा विश्व की घटनाओं और समस्याओं को जानने तथा समझने की सामान्य आदत।

अभिरुचि व बुद्धिमत्ता (Aptitude and Intelligence)

सामान्यत: बुद्धिमत्ता के अंतर्गत हम व्यक्ति की सामान्य बौद्धिक क्षमताओं को मापते हैं जबकि अभिरुचि का संबंध एक क्षेत्र विशेष से होता है।

यह संभव है कि सामान्य बुद्धिमत्ता का उँचा स्तर होने के बाद भी किसी क्षेत्र विशेष के अभिरुचि परीक्षण में कोई व्यक्ति अच्छा निष्पादन न कर सके।

अभिरुचि व रुचि (Aptitude and Interest)

किसी व्यक्ति में किसी क्षेत्र के प्रति अभिरुचि का स्तर अधिक हो पर रुचि बिल्कुल न हो तो उस व्यक्ति की सफलता संदिग्ध होगी। जैसे-किसी व्यक्ति में शतरंज खेलने के लिये आवश्यक उँची तार्किक क्षमता है किंतु उसे शतरंज खेलना पंसद नहीं है।

जिस व्यक्ति में उच्च रुचि तथा उच्च अभिरुचि दोनों की एक साथ उपस्थिति का संयोग मिलता है वे अपने क्षेत्र में अतिशय सफल होते हैं, जैसे-सचिन तेंदुलकर, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम आदि।